



ज़ी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2019 में ये नहीं किया तो क्या किया

फेसबुक [JaipurLitFestOfficial](https://www.facebook.com/JaipurLitFestOfficial) | ट्विटर [@ZEEJLF](https://twitter.com/ZEEJLF) | इंस्टाग्राम [@JaipurLitFest](https://www.instagram.com/JaipurLitFest)

और जब कड़कड़ाती ठंड हमारे दरवाजे पर दस्तक दे ही चुकी है तो दोस्तों अपने दस्ताने और मफलर निकालकर गुलाबी नगरी में शुरू होने वाले, ज़ी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के लिए तैयार हो ही जाइये। साल 2019, जनवरी में जयपुर और वहां का आलिशान डिग्गी पैलेस फिर से एक बार देश और दुनिया भर आये दीवानों की मेजबानी के लिए तैयार है। इन दीवानों पर जहाँ किताबों की धुन सवार है, तो वहीं इनके मनों में कुलबुला रहे हैं कुछ सवाल, कुछ विचार और इनका भी है अपना एक नजरिया। तो ज़ी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के मंच पर जहां ये आपसे अपना हाल-ए-दिल साझा करते हैं, तो वहीं आपकी बात भी पूरे जोश से सुनते हैं। लेकिन-लेकिन इससे पहले कि आप 300 वक्ताओं की भारी लिस्ट तले दब जाए, याद रखियेगा कुछ और भी जरूरी चीजें हैं, जिनका अगर लुप्त आपने ज़ी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में नहीं लिया, तो भई मान लीजिये कि फेस्टिवल को पूरी तरह जिया ही नहीं। फेस्टिवल के आपके अनुभव को और भी शानदार बनाने के लिए जरूरी से भी जरूरी है कुछ पॉइंट:

▪ जरूरी से भी जरूरी पॉइंट नम्बर 1— हैरिटेज इन्निंग्स

ज़ी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में मुख्य वेन्यु पर चल रहे सत्रों के साथ ही कुछ प्रोग्राम जयपुर की सांस्कृतिक धरोहरों पर भी आयोजित किये जाते हैं। जिनमें हवा महल और आमेर फोर्ट प्रमुख रहते हैं। इन ऐतिहासिक स्थलों पर होने वाले ये शानदार कार्यक्रम आपके जीवन की कुछ खुशनुमा शामों में शामिल हो सकते हैं। राजस्थान पर्यटन के साथ मिलकर आयोजित होने वाली इन सांस्कृतिक शामों में कई प्रमुख कलाकार समा बांध चुके हैं,





जिनमें नसीरुद्दीन शाह, शबाना आजमी, सोनम कालरा शामिल हैं। इस साल भी कुछ खास मेहमान आपकी शाम को गुलज़ार करने के लिए उपस्थित रहेंगे, और जवाहर कला केंद्र और आमेर फोर्ट में ये सांस्कृतिक शामें सजेंगी। 25 जनवरी को जवाहर कला केंद्र में 'क्लोथिंग एज आइडेंटिटी' नाम से एक फैशन शो आयोजित किया गया है, जहाँ कुछ पारम्परिक डिजाइनर, दिल को छू लेने वाले लोकगीत की पृष्ठभूमि में, कच्छ की सांस्कृतिक परम्परा को परिधानों के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। 26 जनवरी को आमेर फोर्ट में केरल का शास्त्रीय संगीत और शाकिर खान और अज़ीम अल्वी के साथ उस्ताद खान और हाफीज़ अहमद अल्वी का सितार वादन होगा।

▪ जरूरी से भी जरूरी पॉइंट नम्बर 2 — फेस्टिवल बाज़ार

डिग्गी पैलेस में चल रहे अनेकों सत्रों के बीच श्रोताओं/दर्शकों का ध्यान अक्सर वहां सजी छोटी-छोटी दुकानों पर जाता ही जाता है। फेस्टिवल बाजार में आमंत्रित ये विक्रेता जहां कुछ चुनिंदा साजो-सामान के साथ अपने उपभोक्ताओं के सामने हाजिर होते हैं, वहीं ज्यादातर दुकानें चैरिटी के मकसद से भी संचालित हैं। इन दुकानों में बिकने के लिए आया सामान अधिकतर स्कूली बच्चों या कुछ एनजीओ की मदद से जरूरतमंद कारीगरों द्वारा तैयार किया गया होता है। जिनकी बिक्री का एक निश्चित अनुपात उन तक पहुँचता है। तो एक अच्छे मकसद के साथ, हाथ से बनी हुई इस उम्दा कारीगरी को देखिये और इनका हौंसला बढ़ाइए। यहाँ स्टेशनरी के सामान से लेकर, खूबसूरत झोले, कढ़े हुए शाल, मीनाकरी की हुई ज्वेलरी, टोपियां, जैकेट तक सब उपलब्ध है। और इनके खूबसूरत रंग वाकई मुड़-मुड़कर देखे जाने लायक हैं।

▪ जरूरी से भी जरूरी पॉइंट नम्बर 3 — सुबह और शाम का म्यूजिक

बातें हो साहित्य की और संगीत न हो... ऐसा कैसे हो सकता है भला। तो ज़ी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल अपनी लिस्ट में संगीत को प्राथमिकता देते हुए सुबह और शाम, दोनों ही समय बिलकुल अलग अंदाज में दुनिया के





बेस्ट से बेस्ट कलाकारों को मंच पर ला श्रोताओं को सम्मोहित कर देता है। सुबह 9:30 बजे, डिग्गी पैलेस में ही इतनी सुरीली और ओजस्वी प्रस्तुति दी जाती है कि न चाहते हुए भी आपका सिर उन धुनों पर झूमने लगता है। माना सर्दी की सुबह में 9:30 बजे कहीं पहुंचना इतना आसान नहीं होता, लेकिन गर आप पहुँच गए तो ऊर्जा और आनन्द की ऐसी अनुभूति होती है कि आप खुद में अगले कई दिन काम कर पाने की स्फूर्ति महसूस करते हैं। ये संगीत के माध्यम से एक ध्यानावस्था होती है।

वहीं शाम का जबरदस्त म्यूजिक आपके पैरों को थिरकने के लिए मजबूर कर देता है। एक जबरदस्त बीते दिन की एक शानदार विदाई जयपुर म्यूजिक स्टेज पर ही दी जाती है। तो कहा जा सकता है कि ज़ीजेएलएफ में अगर म्यूजिक नहीं सुना तो क्या किया... और इस बार के कलाकारों में बर्नाली चट्टोपाध्याय, दीपा रसिया, श्रुति विश्वनाथ, उषा उत्थुप और विद्या शाह शामिल हैं।

▪ जरूरी से भी जरूरी पॉइंट नम्बर 4 — फेवरेट लेखक से साइन की हुई कॉपी

हम सबके अपने कुछ रोल मॉडल और फेवरेट सेलिब्रिटी और लेखक होते हैं। तो ज़ी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में न सिर्फ आप उन्हें देख/सुन सकते हैं, बल्कि उनकी किताब खरीदकर, उस पर उनके ऑटोग्राफ भी ले सकते हैं। और क्या पता आपको लगे हाथों उनसे अपने दिल का कोई सवाल पूछने का मौका भी मिल जाए। तो दोस्तों अपने फैन गर्ल/बॉय मूमेंट को जीते हुए इसे भी आजमा लिया जाये।

▪ जरूरी से भी जरूरी पॉइंट नम्बर 5 — मजेदार कुल्हड़ चाय और पालक पत्ते की चाट

उफ़्र जहाँ इतनी मस्ती हो ही रही है तो 'वर्ल्ड फेमस' कुल्हड़-चाय और पालक के पत्ते की चाट क्यों छोड़ी जाए। डिग्गी की खास रेसिपी से तैयार यह चाय और चाट सच में आपको कहीं नहीं मिलेगी। और भले ही फ्रंट





लॉन में कितना ही बड़ा सेलिब्रिटी क्यों न मंच से बोल रहा हो, लेकिन फिर भी फ्रंट लॉन के पीछे चलने वाली चाय की चुस्कियां और चाट की लजीजी एक पल के लिए भी नहीं रूकती। वो क्या कहते हैं, इसका स्वाद सीधे आत्मा तक जो पहुंचता है।

▪ **जरूरी से भी जरूरी पॉइंट नम्बर 6 — सेलिब्रिटी के साथ दिलचस्प बातचीत का मौका**

जैसा की हमने आपको बताया कि आप लेखक की साइन की हुई किताब खरीद सकते हैं, लेकिन यहाँ ऐसे और भी बहुत से सेलिब्रिटी आते हैं, जो यूं ही आपको इधर-उधर कोई सत्र सुनते हुए या एक वेन्यु से दूसरे के बीच जाते हुए टकरा जाते हैं। और अगर बाय चांस आपने डेलिगेट पास खरीदा हुआ है, तो लंच एरिया या फिर फिर डेलिगेट लाउन्ज में, कौन जाने आपका जैक पॉट लग जाए और आपको कुछ पल की गुफ्तगू मिल जाए... लेकिन ऐसे मामलों में हमें पूरी तरह से दूसरे की प्राइव्सी का ध्यान रखते हुए, सभ्य तरीके से पेश आना चाहिए।

▪ **जरूरी से भी जरूरी पॉइंट नम्बर 7— हो सकता है अगले दिन के फ्रंट पेज पर आप ही हों!**

वैसे तो ज़ी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल सितारों की तड़क-भड़क से सजा रहता है, फिर भी यकीन मानिए यहाँ आये बहुत से आम लोग भी अक्सर अखबारों के फ्रंट पेज पर छा जाते हैं। दरअसल यहां एक ही समय पर सैंकड़ों प्रोफेशनल फोटोग्राफर घूम रहे होते हैं, जिनको न जा जाने कब आपका हेयर स्टाइल या फिर आपके कपड़ों का रंग भा जाता है, और वो आपकी कैमरडिड तस्वीर क्लिक कर लेते हैं। तो दोस्तों जब दुनिया संभावनाओं से भरी है तो ज़ी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल कैसे पीछे रह सकता है।

▪ **जरूरी से भी जरूरी पॉइंट नम्बर 8 — सुपब सेल्फी पॉइंट**





सोशल मीडिया के इस दौर में कोई भी सेल्फी के शौक से अछूता तो नहीं ही है। तो क्यों न इसे स्वीकारते हुए कह दें कि जी हाँ हम भी कई बार अच्छी सेल्फी की तलाश में मीलों का सफर तय कर जाते हैं। तो भई मीलों नहीं, बस जब आप ज़ी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में आ ही गए हैं तो सेल्फी लेने से क्यों चूकना। और कई बेहतरीन सेल्फी की गारंटी हम आपको देते हैं।

▪ जरूरी से भी जरूरी पॉइंट नम्बर 9 — वो अजनबी

कभी किसी महान कवि ने कहा था, "किसी दिन उनसे मुलाकात होगी", तो जी किसी दिन क्यों, बल्कि ज़ी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल पक्के रूप से आपको ऐसे बहुत से लोग मिलेंगे, जिनसे बात करना, या उनके साथ कुछ समय गुजारना आपके जीवन का कोई यादगार पल बन सकता है। यकीनन यहाँ कुछ ऐसे दोस्त मिल सकते हैं, जिन्हें वही किताब पसंद हो, जो आपको पसंद है। या हो सकता है कि आप किसी एक ही लेखक या हस्ती के फैन हो, या कोई खास किरदार, जिससे आप दोनों ही सहमत न हों।

▪ जरूरी से भी जरूरी पॉइंट नम्बर 10 — खिले-खिले रंगों से रौशन माहौल

और अंत में, लेकिन चूंकि हर अंत एक शुरुआत है, तो यहाँ के खिले-खिले माहौल में आपको एहसास होता है कि तनाव की कोई गाँठ खुल रही है। हो सकता है आप किसी खास दीवार पर बनी चित्रकला को देख रहे हों, तो पता चले कि वो किसी नामी कलाकार की कृति है। हर साल यहाँ ओजस आर्ट अवार्ड के तहत आये कलाकारों का काम भी प्रदर्शित किया जाता है। इस साल के कलाकारों में राजेश चैत्यवांगड़, तुषार वायेद और मयूर वायेद शामिल हैं।





हो सकता है कोई खास कला आपको प्रेरित कर दे। तो जहाँ आप मन में कुछ अच्छे सत्र सुनने का संकल्प लेकर आ रहे हैं, तो वहीं कुछ देर के लिए इस माहौल का भी अनुभव अपने मन में संजोइए।

—समाप्त —

मीडियाकर्मियों के लिए नोट

ज़ी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में पंजीकरण के लिए देखें: <https://jaipurliteraturefestival.org/media>

ज़ी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल की मीडिया संबंधित जानकारी के लिए कृपया एडेलमैन इंडिया से संपर्क करें: IndiaJLF@edelman.com

ज़ी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2019 के बारे में 'धरती पर सबसे बड़े साहित्यिक उत्सव' के तौर पर वर्णित ज़ी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल विचारों का शानदार उत्सव है।

पिछले दशक के दौरान ज़ी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल वैश्विक साहित्यिक आयोजन के तौर पर उभरा है, जिसने करीब 2000 वक्ताओं की मेजबानी की है और भारत तथा दुनिया भर के 10 लाख से ज्यादा पुस्तक प्रेमियों का स्वागत किया है।

फेस्टिवल के बुनियादी मूल्यों में बदलाव नहीं आया है: एक लोकतांत्रिक, गैर-गठबंधन मंच के तौर पर संचालन, जो सभी को मुफ्त एवं निष्पक्ष पहुंच प्रदान करता है।

हर साल यह फेस्टिवल दुनिया के महानतम लेखकों, विचारकों, मानवतावादियों, राजनेताओं, बिज़नेस लीडर्स, खेल से जुड़ी हस्तियों और मनोरंजन से जुड़े लोगों को एक मंच पर लाता है जहां वे खुलकर अपने विचारों को अभिव्यक्त करते हैं और विचारशील बहस एवं संवाद करते हैं।





लेखक व फेस्टिवल के निदेशक नमिता गोखले और विलियम डेलरिंपल के साथ ही प्रोड्यूसर टीमवर्क आर्ट्स दुनिया भर के वक्ताओं को राजस्थान के खूबसूरत सांस्कृतिक धरोहर के बीच राजधानी जयपुर के शानदार डिग्गी पैलेस में आयोजित इस पांच दिवसीय आयोजन में शिरकत करने के लिए आमंत्रित करते हैं।

बीते समय में महोत्सव के वक्ताओं में नोबेल विजेता जे.एम. कोयत्जे, ओरहान पामुक और मोहम्मद यूनस, मैनु बुकर पुरस्कार विजेता इयान मैकईवान, मार्ग्रेट एटवुड और पॉल बेट्टी, साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता गिरीश कर्नाड, गुलज़ार, जावेद अख्तर, एम.टी. वासुदेवन नायर के साथ ही साथ दिवंगत महाश्वेता देवी और यू.आर. अनंतमूर्ति के अलावा, साहित्यिक सुपर स्टार अमीश त्रिपाठी, चिमांमंद नगोची अधिची और विक्रम सेठ की मेजबानी की है। यह सालाना जलसा साहित्य के दायरे से बाहर निकलते हुए फेस्टिवल में अमर्त्य सेन, अमिताभ बच्चन, दिवंगत ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, 14वें दलाई लामा, ओपरा विनफ्रे, स्टीफन फ्राई, थॉमस पिकेटी और अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई की भी मेजबानी की है।

जी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल टीमवर्क आर्ट्स का मुख्य आयोजन है। टीमवर्क आर्ट्स दुनिया के 40 शहरों में 25 से अधिक बेहद प्रतिष्ठित परफॉर्मिंग आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स और लिटरेरी फेस्टिवल्स का आयोजन करती है।

पिछले कुछ वर्षों में टीमवर्क आर्ट्स ने जी जेएलएफ का आयोजन ब्रिटिश लाइब्रेरी के साथ ही बोल्डर जी जेएलएफ, जेएलएफ ह्यूसटन, जेएलएफ न्यूयॉर्क और जेएलएफ एडिलेड का आयोजन किया है।

वेबसाइट : www.jaipurliteraturefestival.org

टीमवर्क आर्ट्स के बारे में

पिछले 25 वर्षों में टीमवर्क ने भारत को दुनिया और दुनिया को भारत के समक्ष प्रस्तुत किया है।

टीमवर्क आर्ट्स ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, हांग कांग, इटली, कोरिया, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों के 40 से अधिक शहरों में 25 से ज्यादा कला, दृश्य कला और साहित्य के क्षेत्र के प्रतिष्ठित उत्सवों का आयोजन करती है।



TEAMWORK ARTS PVT. LTD.
Mansarovar Building, Ground & 1st Floor,
Khasra No-366 Min, Village Sultanpur, Delhi - 110030, India
Tel : +91 11 26801430, 26802084 | +91 9643302036, 9643302037
Email: info@jaipurliteraturefestival.com
Website: jaipurliteraturefestival.org, teamworkarts.com



टीमवर्क आर्ट्स दुनिया के सबसे बड़े साहित्यिक जमावड़े जी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल, इशारा इंटरनेशनल पपेट फेस्टिवल, और नई दिल्ली में महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवॉर्ड्स (एमईटीए) एंड फेस्टिवल, इंटरनेशनल फेस्टिवल्स दक्षिण अफ्रीका में शेयर्ड हिस्ट्री, अमेरिका में आई ऑन इंडिया, हांग कांग में इंडिया बाय द वे ऑस्ट्रेलिया में कन्प्लूयेंस – फेस्टिवल ऑफ इंडिया यूनाइटेड किंगडम में इंडिया @70 2017:इयर ऑफ कल्चर इन द यूनाइटेड किंगडम तथा और भी बहुत सारे आयोजन करती है।

वेबसाइट : www.teamworkarts.com

